वर्ष 25 अंक 51
पृष्ठ 30+4=34
नई दिल्ली, शनिवार
6 सितंबर 2014
नोएडा
मूल्य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.jagran.com

दिल्ली • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

सुप्रीम कोर्ट ने सलमान से कहा, कानून सबके लिए बराबर 15

ऑस्ट्रेलिया से खुला यूरेनियम आपूर्ति का द्वार 17

देखिये हवा से चलने वाला टर्बाइन

● हवा से ऊर्जा बनाने की विधि में अव्वल है पीडब्ल्यू-100 ● अफ्रीका, टर्की व रूमानिया जैसे देशों में है इसकी मांग

एक्सपो मार्ट में अक्षय ऊर्जा पर आयोजित प्रदर्शनी में एक स्टॉल पर रखी देश की सबसे विंड टर्बाइन पी डब्ल्यू-100 । जागरण

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : क्या आपने कभी हवा की ताकत से चलने वाला टर्बाइन देखा है? अगर नहीं तो इंडिया एक्सपो मार्ट में जाकर इसे देख सकते है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पावर विंड नाम की फैक्ट्री ने पीडब्ल्यू-100 नामक इस टर्बाइन को लांच किया है। इसे इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में प्रदर्शित किया गया है। यह देश का सबसे बड़ा टरबाइन है जो ऊर्जा बचाने के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

इस टरबाइन को मार्ट के बाहर ही प्रदर्शित किया गया है। फैक्ट्री के प्रबंध निदेशक राज कुमार यादव ने बताया कि इसकी क्षमता अन्य टरबाइन के मुकाबले काफी अधिक है। इसे हवा से एनर्जी मिलती है। हवा टरबाइन में लगे यंत्र को मूवमेंट करता है। हवा के मूवमेंट से ही टरबाइन में लगे कनवर्टर की सहायता से हवा से ऊर्जा उत्पादित की जाती है। विंड पावर फैक्ट्री हरियाणा के रेवाड़ी में स्थित है। आम तौर पर इसका उपयोग तेज हवा वाले स्थानों पर किया जाता है। टर्की, रूमानिया, अफ्रीका इसका सबसे बड़ा आयातक है। क्लास टू श्रेणी में टर्बाइन 2500 का उपयोग देश के समुद्री किनारे जैसे कोलकाता, तमिलनाडु, मुंबई आदि स्थानों पर किया जा सकता है। टरबाइन से तीन मीटर से 25 मीटर के हवा से 25 नाट तक ऊर्जा उत्पादित की जाती है।

छाया रहा सोलर सिस्टम को सस्ता करने का मुद्दा

जासं, ग्रेटर नोएडा : इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय अक्षय ऊर्जा सम्मेलन व प्रदर्शनी शुक्रवार को समाप्त हो गए। सम्मेलन में सौर ऊर्जा से बने उपकरण व पैनल्स को आखिर कैसे सस्ता किया जाए, इस पर विस्तृत चर्चा की गई। सौर ऊर्जा क्षेत्र में शोध कर रहे विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में हिस्सा लिया व इसे सस्ता करने व बाजार के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने पर विचार-विमर्श किया गया। भारत सरकार से सौर ऊर्जा को कितना सहयोग मिलता और मिलने की उम्मीद है, इस पर भी चर्चा की गई।

प्रदर्शनी में विक्रम सोलर ने अपने नवीनतम उत्पाद को प्रदर्शित कर सुर्खियों में रहा है। विक्रम फैक्ट्री ने ऐसा सोलर सिस्टम तैयार किया है जो 24 घंटे 48 यूनिट बिजली का उत्पादन करती है। इसकी कीमत करीब 15 लाख रुपये है। यूबीएम इंडिया के प्रबंध निदेशक जोजी जॉर्ज ने कहा कि सौर ऊर्जा मामले में भारत सरकार उनके साथ है। प्रदर्शनी में सौर पवन, स्मार्ट ग्रिड, ज्योथर्मल एवं ऊर्जा दक्षता वाले उपकरण प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी में प्राकृतिक ऊर्जा को बचाए रखने व सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने पर भी विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि भारत प्राकृतिक संसाधनों की मांग व आपूर्ति के बीच असंतुलन के कारण पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने में सक्षम है। इस दिशा में सरकार और सौर ऊर्जा से जुड़े लोगों को साथ मिलकर काम करना होगा। अंतिम दिन प्रदर्शनी में अधिकांश देशों के प्रतिनिधियों ने कहा कि सोलर व विंड ऊर्जा के क्षेत्र में ऊर्जा के बड़े स्रोत सिद्ध होंगे।